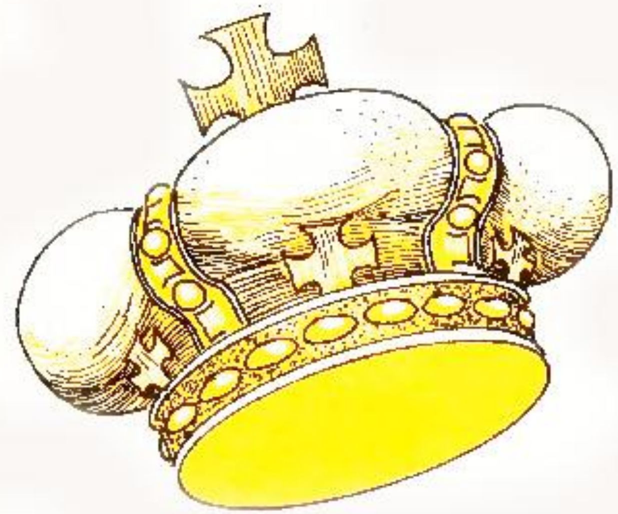
राजा के लिए फिट



औरे शेल्डन, हिंदी: इंदुजी

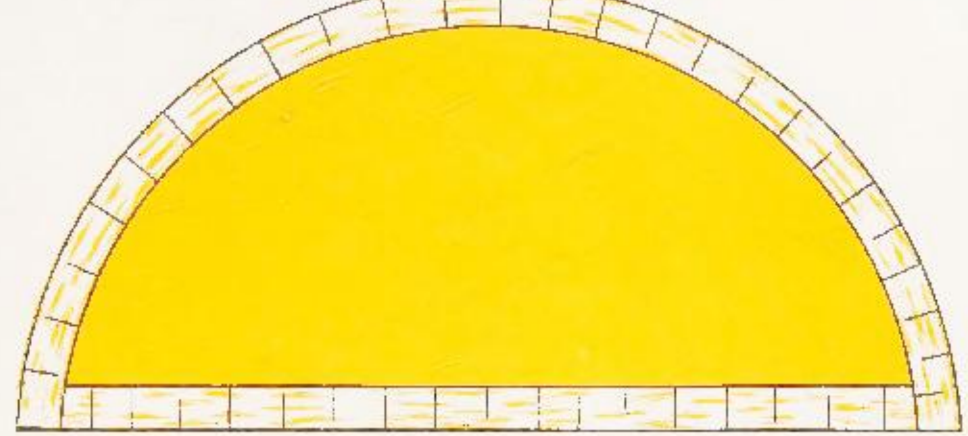


राजा के लिए फिट

औरे शेल्डन

हिंदी: इंदुजी

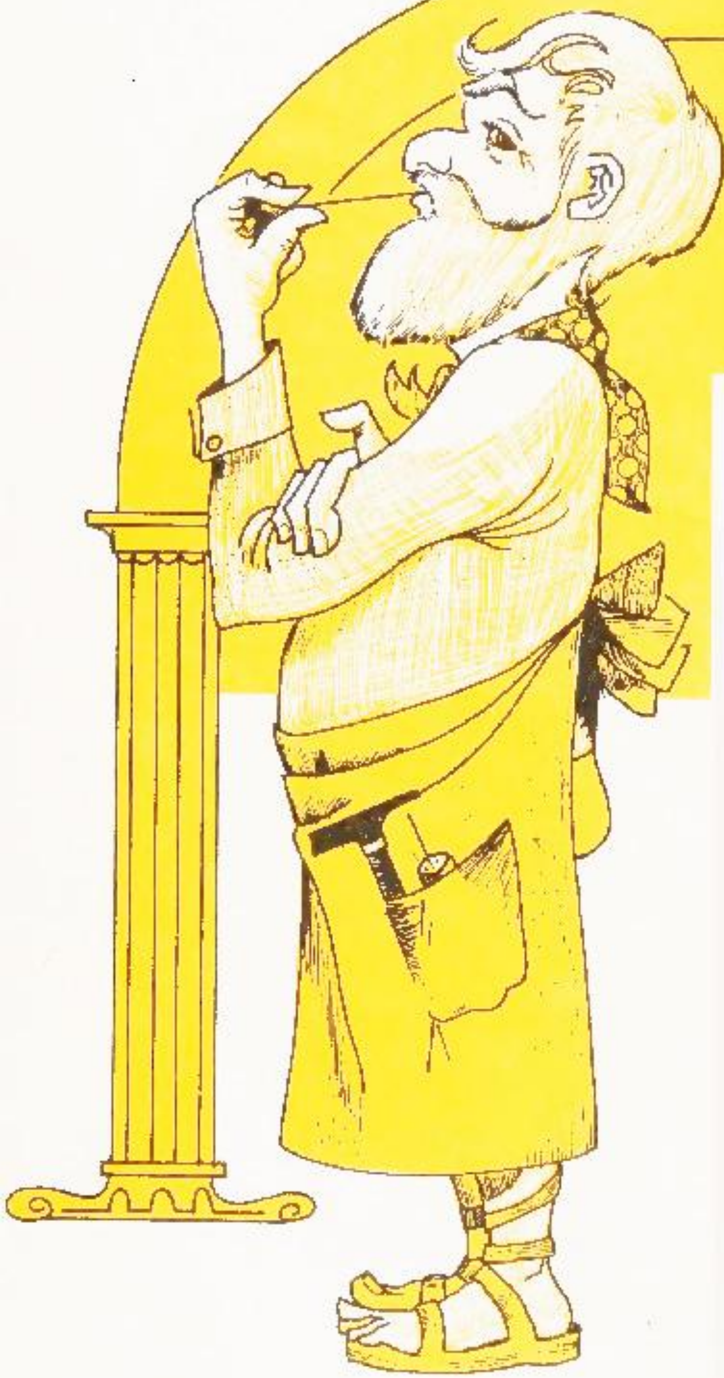




अपलैंड के राजा की एक समस्या थी. ऐसा नहीं था कि राज्य पर कोई बड़ी मुसीबत आन पड़ी थी. वास्तव में देश में कभी भी इतनी खुशहाली नहीं थी. नहीं, बात कुछ और ही थी. महाराज के पाँव दर्द कर रहे थे. अब यह तो सब जानते ही हैं कि अगर किसी के पाँव में दर्द हो तो किसी भी बात से प्रसन्नता नहीं मिलती, राजा होने से भी नहीं.

“जब भी हम यह जूते पहनते हैं हमारे पाँव में छाले पड़ जाते हैं,” राजा ने शिकायत की.

“अगर ऐसा है तो आपको नये जूते लेने चाहिए,” रानी ने कहा.



शाही मोची को बुलाया गया और उसे नये जूते बनाने को कहा गया. मोची ने बहुत मेहनत की और सबसे अच्छे चमड़े से जूते बनाये. पर नये जूते भी राजा का कष्ट कम न कर पाये.

“यह पाँव में चुभ रहे हैं,” राजा ने कराहते हुए कहा.

“महाराज, यह बिलकुल सही हैं,” मोची ने आग्रहपूर्वक कहा, “कुछ ही दिनों में आपको अच्छे लगने लगेंगे.”

एक सप्ताह बीत गया लेकिन जूते अभी भी चुभ रहे थे.





जब ज्ञानी व्यक्तियों ने राजा के कष्ट के बारे में सुना तो वह उनकी सहायता करने के लिए राजमहल आए.

“महाराज,” एक ज्ञानी ने कहा. “आज नो-प्लेस के दूत आपसे मिलने आयेंगे. चूंकि उसका स्वागत करने के लिए आप लंबा शाही वस्त्र पहनेंगे, क्यों न पाँव पर आप सिर्फ मोज़े ही पहने?”

“अति उत्तम!” राजा ने प्रसन्नता से कहा. राजा ने तय किया कि वह वही करेंगे जैसा ज्ञानी पुरुष ने कहा था.



लेकिन राजा पत्थरों से बने प्रांगण में पांच या छह कदम ही चले थे कि इस प्रकार चलना उनके लिए कठिन हो गया. पत्थरों पर चलने से उनके नर्म पाँव बुरी तरह ज़ख्मी हो गए. लड़खड़ाते हुए वह महल के भीतर वापस आ गए और ज्ञानी लोगों को बुलवाया. “सिर्फ जुराबें पहनें, निःसंदेह,” राजा ने झिड़कते हुए कहा. “और आप अपने को ज्ञानी समझते हैं?”





ज्ञानी व्यक्ति इतने लज्जित हुए कि बहाने बना कर झटपट वहाँ से चल दिये और हड़बड़ाहट में एक-दूसरे पर गिर पड़े.

उसी दिन बाद में राजा के पुत्र ने महाराज को बताया कि एक हरकारे ने दौड़ों में राज्य के सब रिकार्ड तोड़ दिये थे.

राजा ने उत्सुकता से पूछा, “वह किस प्रकार के जूते पहनता है?”

“मुझे नहीं पता,” राजकुमार ने कहा, “लेकिन मैं पता लगा सकता हूँ.”







रात के खाने के समय भी न हुआ था कि राजकुमार एक जोड़ी जूते लेकर राजमहल लौट आया. यह वही जूते थे जिन्हें पहन कर धावक दौड़ते थे.

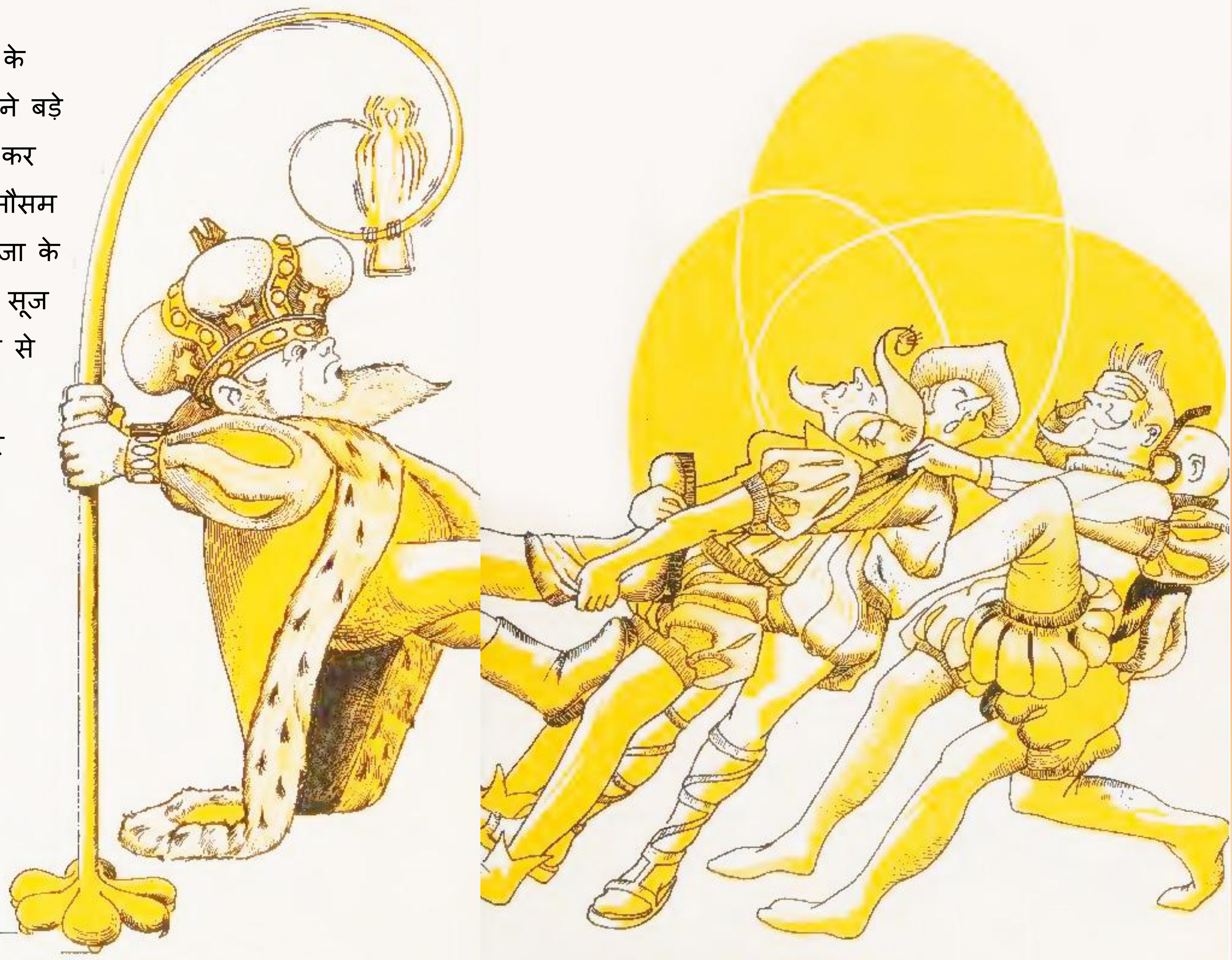
“यह पहनने में आरामदायक लग रहे हैं!” राजा ने प्रसन्नता से कहा. “देखो, मैं अपनी उंगलियाँ भी हिला सकता हूँ.”

दो दिनों तक सब कुछ ठीक रहा. पाँव में जूते चुभे नहीं. राजा के पाँव ज़ख्मी न हुए. पाँव पर एक छाला भी न पड़ा. लेकिन फिर महल की देखरेख करने वाली महिला रोती हुई महाराज के पास आई. “महाराज,” उसने रिरियाते हुए कहा, “आपके जूतों में लगे कील महल के फर्श पर खरोंचे डाल रहे हैं और सीढ़ियों का संगमरमर टूट रहा है. मैं फर्श को चमकाकर नहीं रख सकती, अगर आप.... अगर आप.....” और वह रोने लगी.

“ठीक है,” राजा ने उसे बीच में टोका. “रोओ मत. मुझे किसी अन्य जूते के बारे में सोचना होगा.”



इसलिए वर्षा ऋतु के बाकी बचे दिन राजा ने बड़े आकार के जूते पहन कर बिताये. लेकिन जब मौसम थोड़ा गर्म हुआ तो राजा के पाँव गर्म होकर इतने सूज गए कि जूतों को पाँव से उतारने के लिए सब दरबारियों को मिलकर खींचना पड़ा.





राजा का पुराना मित्र, काउंट ऑफ नो ऐकाउंट, राजा की उलझन देख कर बहुत चिंतित हुआ. एक दिन वह महाराज के लिए रोमन सैंडल का जोड़ा लेकर आया. राजा अति प्रसन्न हुआ - उन्हें लगा कि आखिरकार उनकी समस्या सुलझ गई थी. लेकिन जब एक पाँव का अंगूठा सिंहासन से टकराया और दूसरे पाँव के अंगूठे पर उन्होंने शाही मोहर गिरा दी, तो वह बहुत घबरा गए.

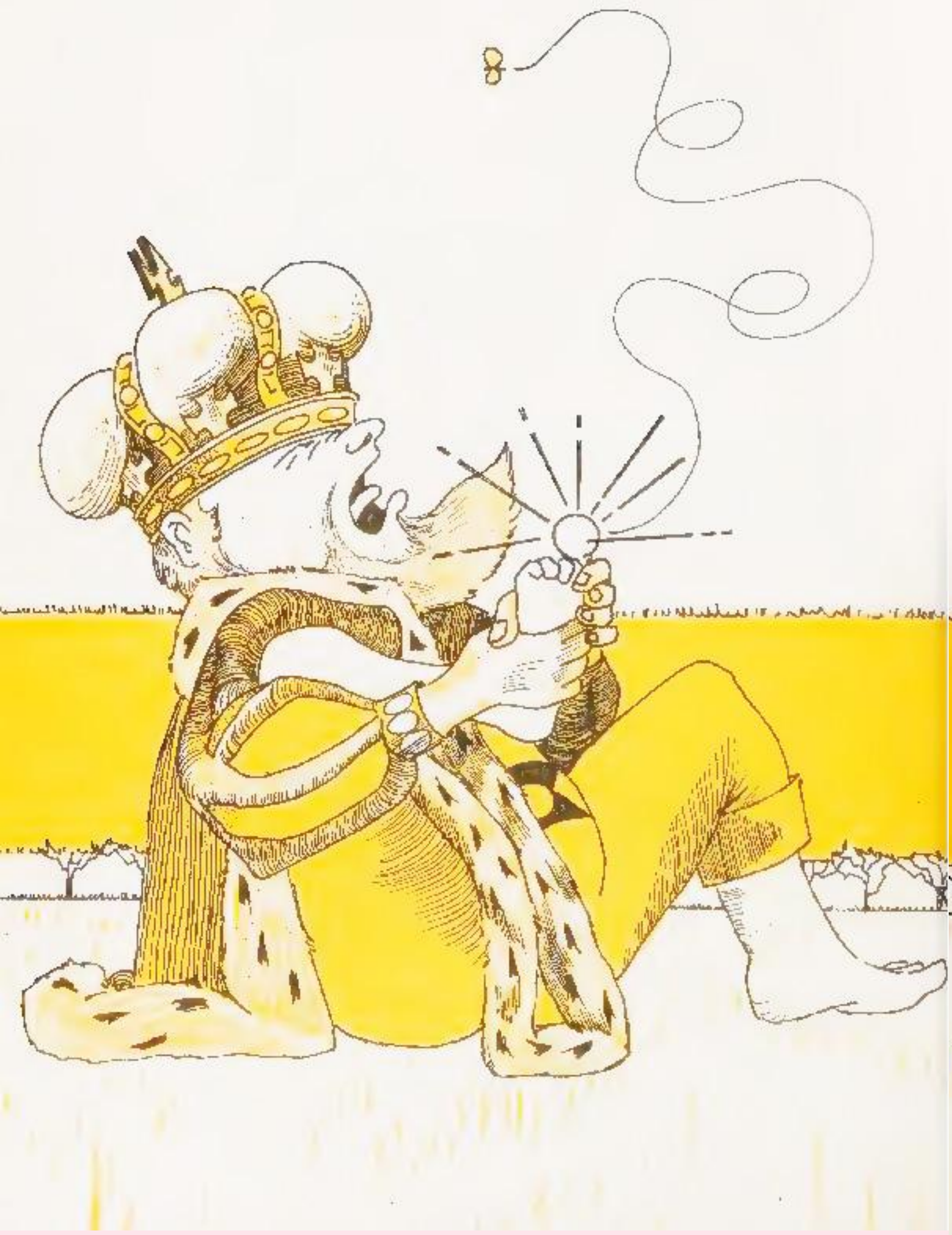




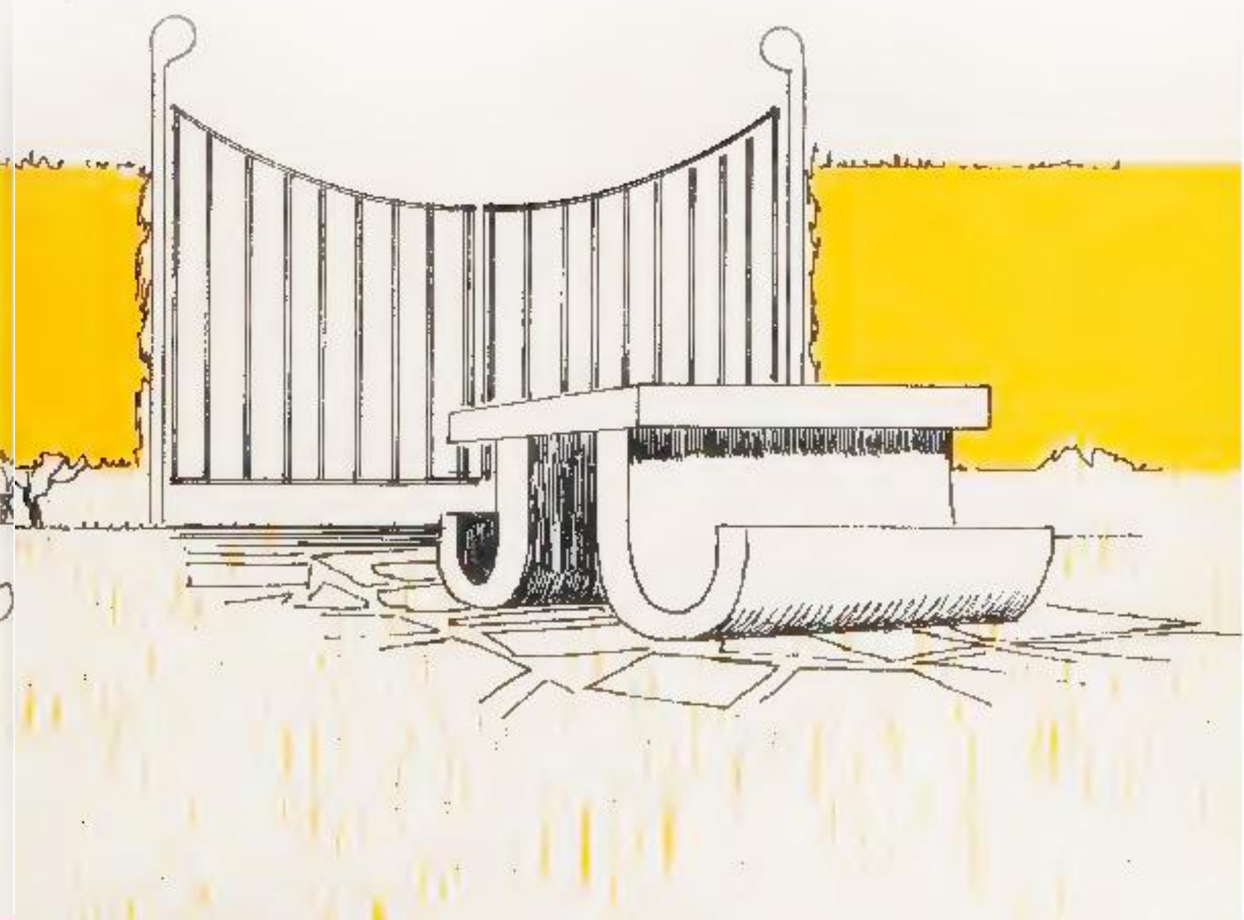
“बहुत हो गया,” राजा ने घोषणा की. “अब हम नंगे पाँव ही रहा करेंगे.” राजा ने यह बात इस प्रकार कही थी कि चर्चा की कोई संभावना नहीं बची थी.

लेकिन प्रधान मंत्री इस निर्णय को स्वीकार नहीं कर पाया और गुस्से में वह इतना चीखा-चिल्लाया कि राजा के लिए सहना कठिन हो गया.



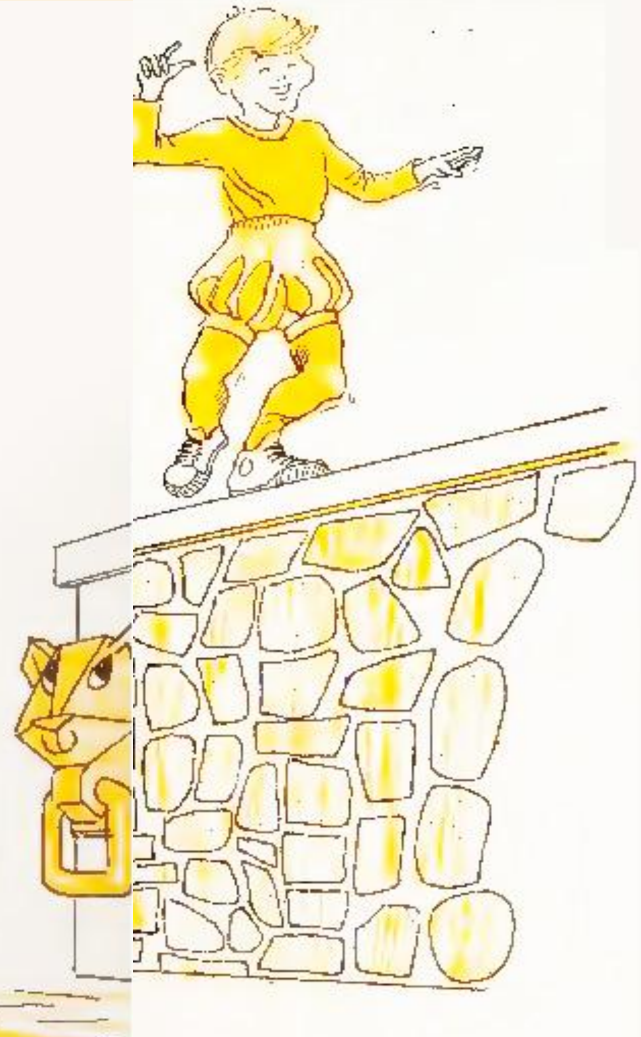


परेशान होकर राजा लड़खड़ाता हुआ महल से बाहर बगीचे में आ गया और अपने पाँव को ठंडक देने के लिए नर्म-नर्म हरी घास पर चलने लगा. लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने एक मधुमक्खी पर अपना पाँव रख दिया. जैसा कि एक मधुमक्खी करती है, उसने राजा के पाँव पर ढंक मार दिया. राजा चिल्लाया और लंगड़ाता हुआ बगीचे के फाटक के पास रखे हुए एक बैंच की ओर आया.



"हे भगवान, मैं नंगे पाँव भी नहीं चल सकता," लिली के फूलों से भरे पोखर में अपने पाँव डुबोने के लिए राजा ने बैंच पर बैठते हुए अपने आप से कहा. "मैंने सब प्रयोग कर लिए! क्या ऐसा कोई नहीं है जो मेरी सहायता कर सके?"





"मैं कर सकता हूँ, महाराज," एक पतली सी आवाज़ सुनाई दी.

राजा ने आश्चर्य से ऊपर देखा. "किसने कहा?" राजा ने इधर-उधर देखते हुए पूछा.

"मैंने कहा," फाटक के बाहर खड़े एक लड़के ने उत्तर दिया.

"तुम कौन हो?"

"मैं चिप हूँ. मुझे देखें, महाराज." वह झटपट बगीचे की दीवार पर चढ़ गया और उछल कर दीवार के ऊपर खड़ा हो गया. फिर वह फिसल कर एक पेड़ से नीचे आया और बगीचे में इधर-उधर दौड़ने लगा. उसने झाड़ियों की बाड़ को उछल कर ऐसे पार किया जैसे कि उसके पाँव में पंख लगे हुए हों.



राजा आश्चर्य से उसे देखता रहा. "यहाँ आओ, बेटे," ऱाजा ने आखिरकार कहा. "मुझे बताओ तुमने अपने पाँव पर क्या पहन रखा है?"

चिप राजा के पास बैठ गया और राजा को दिखाने के लिए उसने अपना एक पाँव ऊपर उठाया. "इन्हें स्नीकर्स कहते हैं," लड़के ने कहा. "सब बच्चे यही पहनते हैं. आपको तो पता ही होगा."

"नहीं, राजा ने कहा. "मुझे नहीं पता था." राजा ने ध्यानपूर्वक उन स्नीकर्स का निरीक्षण किया. "स्नीकर्स....."

"हाँ महाराज," चिप ने मुस्कराया. "इन्हें पहनने में बड़ा मज़ा आता है."

"हाँ, मैं देख रहा हूँ," राजा ने कहा. वह सोचने लगे कि क्या प्रधान मंत्री उन्हें स्नीकर्स पहनने देंगे. कुछ विचार करने के बाद उन्होंने सोचा कि वह कोई खतरा मोल न लेंगे.

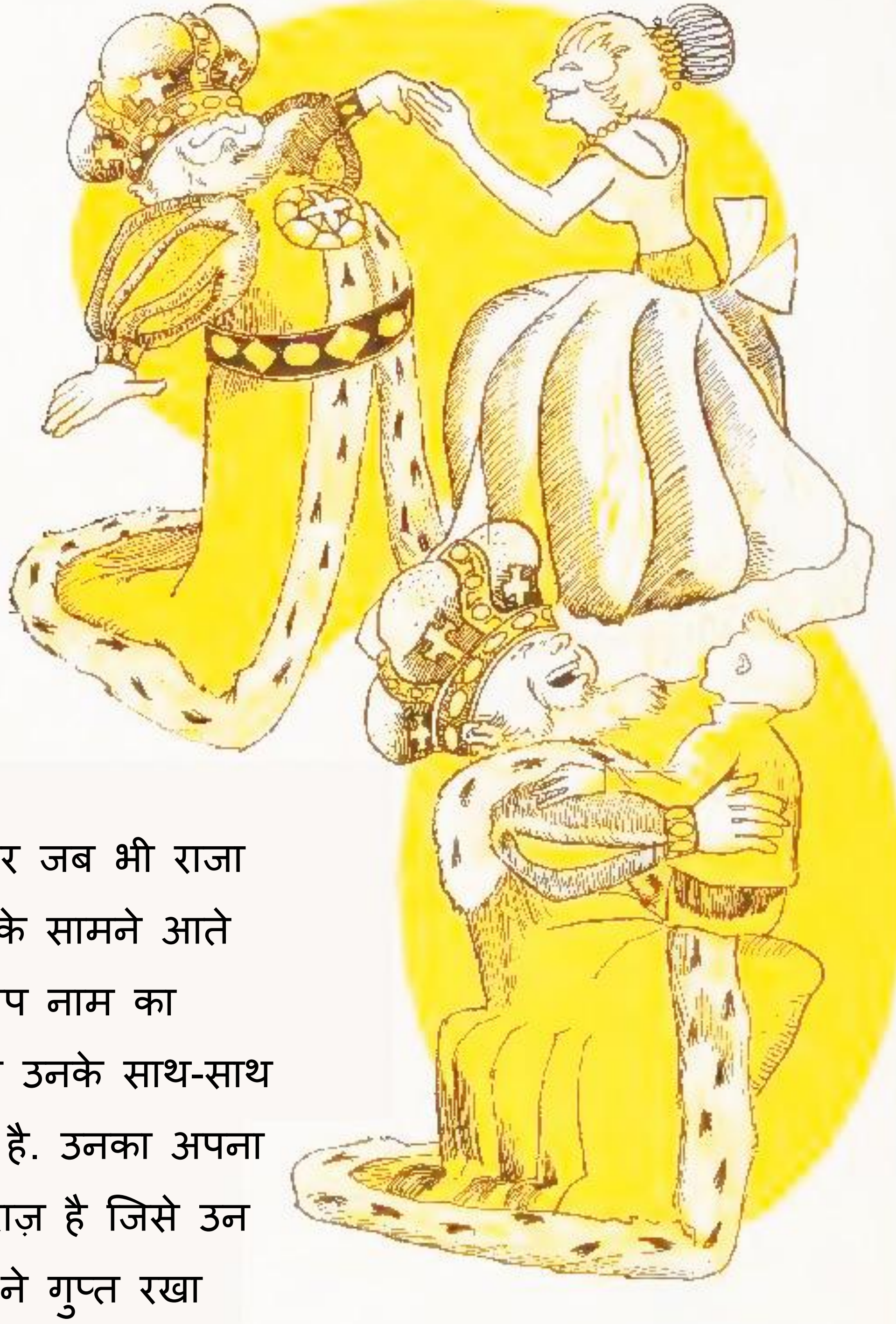
राजा ने चिप के कंधे पर एक हाथ रखा और उसके कान में फुसफुसा कर कुछ कहा. फिर उन्होंने सोने के कुछ सिक्के उसके हाथ में रखे और बगीचे का फाटक खोल दिया. चिप उछल कर बगीचे से बाहर आ गया और जितना तेज़ वह आज तक दौड़ा था उससे भी तेज़ गति से दौड़ता हुआ चला गया.



उसी दिन शाम के समय चिप एक डिब्बा पकड़े राजमहल आया. डिब्बा वह राजा के लिए लाया था. लेकिन महल के पहरेदारों ने उसे भीतर न जाने दिया. शोर सुनकर राजा ने खिड़की से चिल्लाकर कहा, “होहल्ला बंद करो और उस लड़के को मेरे पास लेकर आओ.”

सिंहासन कक्ष और बैंक्वेट हॉल और काउन्टिंग कक्ष से गुज़रते हुए, पहरेदार चिप को राजा के कक्ष में ले आए.

उस दिन के पश्चात किसी ने भी राजा को अपने पाँव के बारे में शिकायत करते नहीं सुना. अब वह हर शाही जुलूस में चल कर जाते हैं, अपलैंड बॉल के हर नृत्य भाग लेते हैं, अस्पताल और अनाथालय जाते हैं और जो कुछ भी प्रधान मंत्री करने को कहते हैं वह सब राजा करते हैं. वह हमेशा एक लंबा शानदार वस्त्र पहनते हैं जिसे पहन कर वह पूरी तरह एक राजा लगते हैं. और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उस लंबे वस्त्र में उनके पाँव छिपे रहते हैं.



और जब भी राजा प्रजा के सामने आते हैं, चिप नाम का लड़का उनके साथ-साथ रहता है. उनका अपना एक राज़ है जिसे उन दोनों ने गुप्त रखा हुआ है.



